

## भारत में अपस्फीति

हाल ही में **भारतीय रिज़र्व बैंक (Reserve Bank of India- RBI)** ने कहा कि भारत की अपस्फीति (Disinflation) प्रक्रिया धीरे-धीरे और लंबी होने की उम्मीद है, **4% मुद्रास्फीति लक्ष्य** केवल मध्यम अवधि में प्राप्त होने की संभावना है।

### अपस्फीति:

#### परिचय:

- अपस्फीति मुद्रास्फीति की दर में कमी को संदर्भित करती है, जिसका अर्थ है कीमतें अभी भी बढ़ रही हैं लेकिन पहले की तुलना में धीमी गति से।
  - यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अपस्फीति, अवस्फीति से अलग है, जो समग्र मूल्य स्तर में निरंतर कमी को संदर्भित करती है।
  - अपस्फीति की एक स्वस्थ दर आवश्यक है क्योंकि यह अर्थव्यवस्था को अत्यधिक प्रभावित होने से रोकती है।

#### कारण:

- अपस्फीति विभिन्न कारणों की वजह से हो सकती है, जैसे:
  - आर्थिक विकास या मांग में मंदी
  - सख्त मौद्रिक नीति** या उच्च ब्याज दरें
  - राजकोषीय समेकन या कम सरकारी खर्च
  - मजबूत वनिमिय दर

### मुद्रास्फीति और अपस्फीति:

#### परिचय:

- मुद्रास्फीति दैनिक या सामान्य उपयोग की अधिकांश वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में वृद्धि को संदर्भित करती है, जैसे कि भोजन, कपड़े, आवास, मनोरंजन, परिवहन, उपभोक्ता वस्तुएँ आदि।
  - मुद्रास्फीति समय के साथ वस्तुओं और सेवाओं के औसत मूल्य परिवर्तन को मापती है।
  - वस्तुओं की इस बास्केट के मूल्य सूचकांक में वृद्धि और दुर्लभ गिरावट को 'अपस्फीति' कहा जाता है।
- मुद्रास्फीति किसी देश की मुद्रा की एक इकाई की क्रय शक्ति में कमी का संकेत है। इसे प्रतिशत में मापा जाता है।

#### मूल्यांकन:

- भारत में मुद्रास्फीति को मुख्य रूप से दो मुख्य सूचकांकों- **थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index- WPI)** और **उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (Consumer Price Index- CPI)** द्वारा मापा जाता है, जो क्रमशः थोक और खुदरा स्तर के मूल्य परिवर्तनों को मापते हैं।
- मौद्रिक नीति समिति (MPC) मुद्रास्फीति** को नियंत्रित करने के लिये **CPI** डेटा का उपयोग करती है।
  - मौद्रिक नीति समिति (MPC) RBI के गवर्नर के नेतृत्व में मध्यम अवधि में मुद्रास्फीति को 4% तक कम करने के लिये उत्तरदायी है, जबकि लंबे समय में इसे 2% से 6% के बीच बनाए रखता है।

### मुद्रास्फीति के संबंध में RBI द्वारा नवीनतम अपडेट:

#### वर्तमान मुद्रास्फीति परिदृश्य:

- मई 2023 तक भारत की वार्षिक खुदरा मुद्रास्फीति **4.25%** थी जो अप्रैल 2023 में **4.7%** हो गई। हालाँकि विश्लेषकों का अनुमान है कि आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति लगातार बनी रहेगी जिससे 4% के लक्ष्य को प्राप्त करने में चुनौतियाँ उत्पन्न होंगी।

#### वर्ष 2023-24 के लिये मुद्रास्फीति अनुमान:

- RBI ने कहा कि वित्त वर्ष **2023-24 के लिये मुद्रास्फीति का अनुमान 5.1%** है जो पिछले आँकड़ों से कम है लेकिन यह अभी भी लक्ष्य से ऊपर है। यह मुद्रास्फीति के दबाव को रोकने तथा व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये निरंतर सतर्कता एवं

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????????:**

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में नमिनलखिति में से मांग-प्रेरति मुद्रास्फीतिकिसिके कारण बढ सकती है?

1. वसितारवादी नीतियाँ
2. राजस्व प्रोत्साहन
3. मज़दूरी का मुद्रास्फीति-सूचकांक
4. उच्च क्रय शक्ति
5. बढती ब्याज दरें

नीचे दधि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनधि:

- (a) केवल 1, 2 और 4
- (b) केवल 3, 4 और 5
- (c) केवल 1, 2, 3 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4 और 5

उत्तर: (a)

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजधि: (2020)

1. खादय वस्तुओं का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) में भार उनके थोक मूल्य सूचकांक (WPI) में दधि गए भार से अधकि है ।
2. WPI सेवाओं के मूल्यों में होने वाले परिवर्तनों को नहीं पकड़ता है, जैसा कि CPI करता है ।
3. भारतीय रज़िर्व बैंक ने अब मुद्रास्फीतिके मुख्य मान हेतु प्रमुख नीतगित दरों के निर्धारण और परिवर्तन हेतु WPI को अपना लधि है ।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

**स्रोत: द हद्रि**